मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक

नाम

101

301(ZB)

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) 'कंकाल' उपन्यास के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) जैनेन्द्र कुमार

iii) प्रेमचन्द

iv) बालकृष्ण भट्ट । 1

ख) भारत के ग्यारहवें राष्ट्रपति का नाम है

i) डॉ० राधाकृष्णन

ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

iii) डॉ० अब्दुल कलाम

iv) इनमें से कोई नहीं । 1

ग) 'वसुधा' साहित्यिक पत्रिका के सम्पादक थे

i) हरिशंकर परसाई

ii) रामवृक्ष बेनीपुरी

iii) 'अज्ञेय'

iv) राय कृष्णदास । 1

collegedunia
India's largest Student Review Platform

घ) पण्डित दीनदयाल के पिता थे

i) किसान

ii) लिपिक

iii) हेड मास्टर

iv) स्टेशन मास्टर । 1

ङ) 'कल्पलता' किस विधा की रचना है ?

i) संस्मरण

ii) कहानी

iii) उपन्यास

iv) निबन्ध । 1

2. क) 'कवि वचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक हैं

i) बालकृष्ण भट्ट

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) प्रतापनारायण मिश्र

iv) इनमें से कोई नहीं । 1

ख) निम्नांकित में 'खड़ी बोली' का प्रथम महाकाव्य है

i) 'कामायनी'

ii) 'प्रिय-प्रवास'

iii) 'वैदेही वनवास'

iv) 'साकेत'। 1

ग) 'गुनाहों का देवता' कृति है

i) गुलाब राय की

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी की

iii) धर्मवीर भारती की

iv) रघुवीर सहाय की । 1

घ) निम्नलिखित में से किस विद्वान् ने 'आदिकाल' को 'वीरगाथा काल' कहा है ?

i) डॉ० रामकुमार वर्मा

ii) राहुल सांकृत्यायन

iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

iv) पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र । 1

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

ङ) 'सरहपा' निम्नांकित में से किस साहित्य से सम्बन्धित है ?

i) सिद्ध-साहित्य

ii) जैन-साहित्य

iii) नाथ-साहित्य

iv) लौकिक साहित्य । 1

3 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म – विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं । यही राष्ट्र-संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है । जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) किस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं ?

iii) प्रस्तुत गद्यांश का आशय स्पष्ट कीजिए ।

iv) पूर्वजों की किन उपलब्धियों को हम गौरव के साथ धारण करते हैं ?

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मैं यह नहीं मानता की समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है । उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाये रखने में सहायक है । आप अपने आस-पास देखेंगे तो पायेंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती । किसी बगीचे में जाइए । मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी । अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे ।

i) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

ii) डॉ० कलाम समृद्धि की कद्र क्यों करते हैं ?

iii) लेखक किसे एक-दूसरे का विरोधी नहीं मानता ?

iv) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक तथा उसके लेखक का नाम लिखिए

v) प्रस्तुत गद्यांश में छात्रों को कौन-सा संदेश दिया गया है ?

collegedunia
India's largest Student Review Platform

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन है हमहूँ पहिचानती हैं ।
पै बिना नंदलाल बिहाल सदा 'हरिचंद' न ज्ञानहिं ठानती हैं ।।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं जानती हैं ।
पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अँखियाँ दुखियाँ नहिं मानती हैं ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए ।

ii) गोपियाँ उद्धव से 'ब्रह्म' के सम्बन्ध में क्या कहती हैं ?

iii) 'प्यारे तिहारे निहारे' – इन शब्दों में कौन-सा अलंकार है ?

iv) 'बिहाल' तथा 'निहारे' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर !
राग-अमर ! अम्बर में भर निज रोर !
झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में,
घर, मरु, तरु-मर्मर, सागर में,
सरित्-तड़ित्-गति-चकित पवन में
मन में, विजन-गहन कानन में,
आनन-आनन में, रव घोर कठोर –
राग-अमर ! अम्बर में भज निज रोर !

i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में' – पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

iv) 'विजन' तथा 'कानन' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

v) कवि बादलों से किस सन्देश को सर्वत्र पहुँचाने का अनुरोध करता है ?

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

ii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय । https://www.upboardonline.com

ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

i) जगन्नाथदास रत्नाकर

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) सुमित्रानन्दन पंत ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'कर्मनाशा की हार' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
(अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए ।
(अधिकतम शब्द-सीमा **80** शब्द) 5

क) 'रश्मिरथी' के षष्ठ सर्ग की घटना अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चौथे सर्ग की घटना अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

च) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड - ख

8. क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वाः उपनिषदाः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः ।

अथवा

collegedunia
India's largest Student Review Platform

सौराष्ट्रप्रान्ते टङ्कारानाम्नि ग्रामे श्रीकर्षणतिवारी-नाम्नो धनाढ्यस्य औदीच्यविप्रवंशीयस्य धर्मपत्नी शिवस्य पार्वतीव भाद्रपदमासे नवम्यां तिथौ गुरुवासरे मूलनक्षत्रे एकाशीत्युत्तराष्टादशशततमे वैक्रमाब्दे पुत्ररत्नमजनयत् ।

ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी **एक** का संदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत् ।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ।।

अथवा

काव्य-शास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2 + 2 = 4

i) काकः कथमुलूकस्य विरोधमकरोति ?

ii) संस्कृतस्य आदिकविः कोऽस्ति ?

iii) का भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता ?

iv) वसन्तकाले वृक्षाः कीदृशाः भवन्ति ?

10. क) हास्य **अथवा** रौद्र रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

ख) श्लेष **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा सोदाहरण लिखिए । 2

ग) 'सोरठा' **अथवा** 'हरिगीतिका' छंद का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

i) छात्र और अनुशासन ।

ii) नई शिक्षा-नीति ।

iii) जनसंख्यावृद्धिः – समस्या एवं समाधान ।

iv) गोस्वामी तुलसीदास ।

v) विज्ञान – विकास या विनाश ।

12. क) i) 'नायकः' का सन्धि-विच्छेद है

अ) नै + अकः

ब) नाय + कः

स) नाय + अकः

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ii) 'तल्लयः' का सन्धि-विच्छेद है

अ) तत + लयः

ब) तत् + लयः

स) तत्त + लयः

द) इनमें से कोई नहीं । 1

collegedunia
India's largest Student Review Platform

iii) 'कृष्णं वन्दे' का सन्धि-विच्छेद है

अ) कृष्णम् + वन्दे

ब) कृष्णः + वन्दे

स) कृष्ण + वन्दे

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ख) i) 'नीलकमलम्' में समास है

अ) अव्ययीभाव

ब) कर्मधारय

स) बहुव्रीहि

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ii) 'चन्द्रशेखर' में समास है

अ) अव्ययीभाव

ब) द्वन्द्व

स) बहुव्रीहि

द) इनमें से कोई नहीं । 1

13. क) i) 'नाम्नः' नामन् शब्द का रूप है

अ) प्रथमा, एकवचन

ब) तृतीया, द्विवचन

स) पञ्चमी, एकवचन

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ii) 'आत्मना' 'आत्मन्' शब्द का रूप है

अ) प्रथमा, बहुवचन

ब) चतुर्थी, एकवचन

स) तृतीया, एकवचन

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ख) i) 'पा' धातु लट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप है

अ) पिवेत

ब) पिबेयुः

स) पास्यति

द) पिबथ । 1

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ii) 'नी' धातु लृट् लकार, उत्तम पुरुष, एकवचन का रूप है

अ) अनयत्

ब) नेष्यामि

स) नयतु

द) नयामि । 1

ग) i) 'कृत्वा' शब्द में प्रत्यय है

अ) तुमुन

ब) क्तवतु

स) क्त्वा

द) इनमें से कोई नहीं । 1

ii) 'दर्शनीय' शब्द में प्रत्यय है

अ) क्त

ब) क्त्वा

स) अनीयर्

द) इनमें से कोई नहीं । 1

घ) रेखांकित पदों में से किसी **एक** पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए : 2

अ) तड़ागम् परितः वृक्षाः सन्ति ।

ब) सः पादेन खञ्जः अस्ति ।

स) गुरुणा सह शिष्य अपि आगच्छति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2 + 2 = 4

अ) विद्यालय के दोनों ओर वृक्ष हैं ।

ब) दैत्यों के लिए हरि पर्याप्त है ।

स) वह मेरे साथ कभी नहीं जाता है ।

द) बालकों में अरविन्द श्रेष्ठ है ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform